भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या- 1184
दिनांक 30 जुलाई, 2025 के लिए प्रश्न

प्रकाशम जिले में राष्ट्रीय गोकुल मिशन

1184. श्री येर्रम वेंकट सुब्बा रेड्डीः

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) के लक्ष्य और उद्देश्य तथा इसके कार्यान्वयन की स्थिति क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले में चडालवाड़ा को चुना गया है और आरजीएम के अंतर्गत गोकुल ग्राम की स्थापना की गई है; और

(ग) यदि हाँ, तो इसे गोकुल ग्राम के रूप में चुनने के लाभों का ब्यौरा क्या है और इस गोकुल ग्राम द्वारा अब तक क्या उपलब्धियाँ प्राप्त की गई हैं?

उत्तर
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री
(प्रो.एस.पी. सिंह बघेल)

(क) पशुपालन और डेयरी विभाग राष्ट्रीय गोकुल मिशन का कार्यान्वनयन कर रहा है। राष्ट्रीय गोकुल मिशन का लक्ष्य देशी गोपशु और भैंस की नस्लों का विकास और संरक्षण, बोवाइन आबादी का आनुवंशिक उन्नयन तथा बोवाइनों के दूध उत्पादन और उत्पादकता को बढ़ाना है। इस योजना के उद्देश्य हैं: (i) देशी नस्लों के उत्कृष्ट पशुओं की पहचान और प्रसार के माध्यम से देशी बोवाइन नस्लों की उत्पादकता को लक्षित रूप से बढ़ाना; (ii) उच्च आनुवंशिक गुणता वाले पशुओं का राष्ट्रीय दुधारू पशुयूथ बनाना जिसमें डोनर पशु शामिल हों और आधुनिक प्रजनन जैव तकनीकों के उपयोग के माध्यम से उत्कृष्ट से उत्कृष्टतम पशुओं का प्रसार करना हो; (iii) किसान स्तर पर बोवाइन पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने के लिए सेक्स-सॉर्टिड सीमन, आईवीएफ तकनीक, जीनोमिक्स आदि, जैसी आधुनिक प्रजनन तकनीकों के उपयोग को मुख्यधारा में लाना और (iv) किसानों के द्वार पर कृत्रिम गर्भाधान सेवाओं की प्रदायगी के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाना।

(ख) और (ग) विभाग ने आंध्र प्रदेश के प्रकाशम जिले के चडालवाड़ा में गोपशु की ओंगोल नस्ल के विकास और संरक्षण के लिए गोकुल ग्राम की स्थापना में सहायता की है (इस कार्यकलाप को संशोधित पुनर्गठित आरजीएम के अंतर्गत बंद कर दिया गया है)। चडालवाड़ा ओंगोल नस्ल के गोपशु के प्रजनन क्षेत्र में स्थित है और गोकुल ग्राम में 345 पशुओं का एक न्यूकलियस पशुझुंड स्थापित किया गया है। वर्तमान में इस केंद्र में ओंगोल गोपशु के विकास और संरक्षण के लिए बोवाइन आईवीएफ तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। गोकुल ग्राम प्रजनन कार्यक्रम में उपयोग के लिए उच्च आनुवंशिक गुणता वाले ओंगोल सांडों के उत्पादन और आपूर्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और अब तक किसानों को 92 उत्कृष्ट ओंगोल बछड़े (Bull calves) प्रदान किए जा चुके हैं।

******